AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : पीजी कोर्स में रिकॉर्ड आवेदन, 17703 आवेदन आए पांच हजार सीटों के लिए

एलएलएम की एक सीट पर 35 दावेदार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल यूजी की ही तरह पीजी कोर्स में प्रवेश के लिए रिकॉर्ड आवेदन हुए हैं। विवि की ओर से मंगलवार को पीजी प्रवेश आवेदन के आंकड़े जारी किए गए हैं। इसके मुताबिक 17 हजार 703 स्टूडेंट्स ने लगभग पांच हजार के करीब सीटों पर आवेदन किया है। इसमें भी सबसे ज्यादा आवेदन सीटों के सापेक्ष एलएलएम और एलएलबी कोर्स के लिए हुए हैं। ऐसे में यहां प्रवेश के लिए कड़ी टक्कर होगी।

एलएलएम की 60 सीटों के सापेक्ष 2077 आवेदन आए हैं, इसके अनुसार एक सीट पर 35 अभ्यर्थियों के बीच प्रवेश का मुकाबला होगा। इसी तरह एलएलबी में 320 सीटों के सापेक्ष 4273 आवेदन हुए हैं, यानी एक सीट पर 13 अभ्यर्थी हैं। वहीं एमएससी जूलॉजी की 50 सीटों के लिए 572 आवेदन आए हैं, यानी एक सीट पर 11 अभ्यर्थी, एमएससी बॉटनी में 135 सीटों के सापेक्ष 758 आवेदन हैं, यानी एक सीट पर छह अभ्यर्थी हैं। एमकॉम में 180 सीटों पर 1177 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है, यानी एक सीट पर छह अभ्यर्थी हैं। जानकारों के अनुसार, पीजी कोर्सेज में भी यूजी कोर्सेज की तरह स्टूडेंट्स का इतनी अधिक संख्या में आवेदन करने की मुख्य वजह कोविड-19 ही बताया जा रहा है। आंकड़ों को देखते हुए कहा जा रहा है कि इस बार विद्यार्थी और उनके अभिभावक बाहर के विवि की जगह लोकल को तरजीह दी रहे हैं। प्रदेश के काफी दिल्ली यूनिवर्सिटी, एएमयू व अन्य यूनिवर्सिटी में जाते थे। इस बार नए स्टूडेंट्स ने लविवि को चुना है। साथ ही विवि की छवि में भी काफी सुधार हुआ है।

एमएससी		
कोर्स	आवेदन	सीट
जूलॉजी	572	50
बॉटनी, प्लांट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी	758	135
केमिस्ट्री, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री	656	130
फिजिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी	467	97
मैथ्स	609	150
कम्प्यूटर साइंस	101	20
बायोटेक्नोलॉजी	258	30
एमए		
पॉलिटिकल साइंस	566	120

वर्षवार आवेदन	
2017	13732
2018	13524
2019	10543
2020	17703

एमए मॉडर्न अरेबिक का नहीं खुला खाता

लविवि में एक तरफ जहां प्रवेश के लिए रिकॉर्ड आवेदन हुए हैं, वहीं 30 सीटों वाले एमए मॉडर्न अरेबिक कोर्स में प्रवेश के लिए एक भी आवेदन नहीं आए। कई दूसरे कोर्सेज में भी आवेदन दहाई तक नहीं पहुंचे।

यहां सीट से भी कम आवेदन

परास्नातक कोर्स में दर्जन से भर से ज्यादा ऐसे हैं, जिनमें आवेदनों की संख्या सीट से कम है। इनमें से ज्यादातर कला संकाय के कोर्स ही हैं। आचार्य में 25 सीटों के सापेक्ष दो, एमए अरब कल्चर में 30 सीटों के सापेक्ष सात, एमए फ्रेंच में 40 सीटों के सापेक्ष सात, एमए लिंग्विस्टिक में 40 सीटों के सापेक्ष 20, एमए पर्शियन में 30 सीटों के सापेक्ष पांच, एमए फिलॉसफी में 40 सीटों के सापेक्ष 37, एमए उर्दू में 130 के सापेक्ष 102, एमए वीमेन स्टडीज में 30 सीटों के सापेक्ष 10, एमए पॉपुलेशन स्टडीज में 40 सीटों के सापेक्ष 37, एमवीए में 20 सीटों के सापेक्ष 12, एमएससी मास कॉम में 40 सीटों के सापेक्ष 12 आवेदन आए हैं।

लविवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से समग्र मानव विकास' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। प्रो. हरिकेश सिंह पूर्व कुलपति जय प्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा और प्रो. अनिल कुमार शुक्ला पूर्व कुलपति महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय बरेली मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष और विज्ञान संकाय के डीन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उद्घाटन भाषण दिया। वेबिनार में देश भर के प्रतिभागी शामिल हुए। संचालन डॉ. अर्पणा गोडबोले ने किया और प्रो.अमिता बाजपेयी द्वारा धन्यवाद दिया गया।

AMRIT VICHAR PAGE 3

तीन सितंबर को होंगे अतिथि प्रवक्ताओं के साक्षात्कार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कला व शिल्प कला महाविद्यालय कला संकाय में अतिथि प्रवक्ताओं के साक्षात्कार तीन सितंबर को होंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अतिथि प्रवक्ताओं के साक्षात्कार अभी के लिए टाल दिए गये हैं अब तीन सितंबर से होंगे।

NBT PAGE 6

एलयू के पीजी कोर्सों में इस साल आए रेकॉर्ड आवेदन

एलएलएम, एलएलबी थ्री ईयर और एमकॉम सबसे पसंदीदा

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) इस साल पीजी कोर्सों में रेकॉर्ड तोड़ आवेदन आए हैं। एलयू प्रशासन की ओर से मंगलवार को आवेदन से जुड़े आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक, 17,703 अभ्यर्थियों ने 5 हजार के करीब सीटों पर आवेदन किया है। वहीं पिछले साल यह आंकड़ा करीब नौ से 10 हजार था। जानकारों की माने तो पीजी कोर्सों में भी यूजी कोर्सों की तरह ज्यादा आवेदन आने की मुख्य वजह कोविड-19 है।

5 हजार के करीब सीटों पर 17,703 अभ्यर्थियों ने किया आवेदन

एमए मॉडर्न अरेबिक में नहीं खुला खाता

वहीं, इस वार एलएलएम, एलएलबी थ्री ईयर और एमकॉम कोर्स डिमांड में रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, एलएलएम की 60 सीटों पर 2077, एलएलबी थ्री ईयर की 320 सीटों पर 4273 और एमकॉम की 180 (रेगुलर और सेल्फ फाइनेंस) सीटों पर 1,177 आवेदन आए हैं। इसके अलावा एमए मॉडर्न अरेबिक में 30 सीटों पर एक भी आवेदन नहीं आए हैं।

ये कोर्स डिमांड में

कोर्स	आवेदन	सीट
एमएससी जूलॉजी	572	50
एमएससी (बॉटनी,प्लांट साइंस, माइक्रोबायॉलजी)	758	135
एमएससी(केमेस्ट्री, फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री)	656	130
एमएससी(फिजिक्स,रिन्यूएबल एनर्जी)	467	97
एमएससी मैथमेटिक	609	150
एमएससी जिऑलजी	146	35
एमएमसी कम्प्यूटर साइंस	101	20
एमए पॉलिटिकल साइंस	566	120
एमए इकॉनमिक्स	412	180
एमए एजुकेशन	121	30
एमए जर्नलिजम ऐंड मासकॉम	223	50

HINDUSTAN PAGE 4

लविवि: एलएलएम की एक सीट के 35 दावेदार

मारामारी

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलएम पाठ्यक्रम की कुल 60 सीटें हैं। इन पर प्रवेश के लिए कुल 2077 आवेदन आए हैं। इस पाठ्यक्रम की एक सीट के करीब 35 दावेदार हैं। लखनऊ विवि के परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए लेवल एलएलएम ही नहीं बल्कि एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम से लेकर एमकॉम तक में मारामारी है।

बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया 24 अगस्त को पूरी हो गई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मंगलवार को आवेदन के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के मुताबिक, विश्वविद्यालय की करीब 4500 सीट के लिए 17,703 आवेदन आए हैं। पिछले वर्षों के मुकाबले यह ज्यादा है। एलएलबी थर्ड ईयर में 320 सीटों पर 4273 और एम.कॉम में 180 (रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस) सीटों पर 1177 आवेदन किए गए हैं । इस बड़ी हुई संख्या को कोरोना संक्रमण से जोड़कर देखा जा रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय में प्राचीन भारतीय इतिहास की 180 सीट हैं। बीते कई वर्षों से इस कोर्स में सीटों के मुकाबले कम आवेदन आ रहे थे लेकिन इस बार 193 आवेदन आए हैं।

इन कोर्स को कोई पूछ भी नहीं रहा : इस सब के बावजूद भी कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं जिनमें अभ्यर्थियों ने कोई रुचि नहीं दिखाई। आचार्य पाठ्यक्रम की 25 सीटों पर सिर्फ 2 आवेदन आए हैं। इसी तरह एमए फ्रेंच की 40 सीटों पर 7 आवेदन मिले हैं। एमए मॉडर्न अरेबिक पाठ्यक्रम का खाता तक नहीं खुल पाया। वही एमए अरब कल्चर में सिर्फ 7 आवेदन आए हैं।

4500 सीटों के लिए **17,703** आवेदन आए हैं

एमएससी कोर्स की डिमांड

कोर्स : एमएससी जूलॉजी
आवेदन : 572 **सीट :** 50
कोर्स : एमए पॉलिटीकल साइंस
आवेदन : 566 **सीट :** 120
कोर्स : एमएससी (बॉटनी, प्लांट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी)
आवेदन : 758 **सीट :** 135
कोर्स : एमएससी (केमेस्ट्री,फार्मासूटिकल केमेस्ट्री)
आवेदन : 656 **सीट :** 130
कोर्स : एमएससी (फिजिक्स,रिन्यूएबल एनर्जी)
आवेदन : 467 **सीट :** 97

i-NEXT PAGE 4

एक सीट पर 35 ने ठोकी ताल

एमकॉम और एलएलबी थ्री ईयर की भी इस बार सबसे ज्यादा डिमांड

पीजी कोर्सेस में इस साल 17703 स्टूडेंट्स ने किए आवेदन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (25 Aug): एलयू को इस साल पीजी में रिकॉर्ड आवेदन आए हैं. एलयू ने मंगलवार को पीजी कोर्सेस के आंकड़े जारी कर दिए हैं. आंकड़ों के मुताबिक 17703 स्टूडेंट्स ने पांच हजार के करीब सीटों पर आवेदन किया है. एलयू के पीजी कोर्सेस में बीते साल की तुलना में अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं. एलयू प्रशासन पीजी में यूजी की तरह ही रिकार्ड तोड़ आवेदन की उम्मीद कर रहा था. उसी के अनुरूप पीजी में करीब बीते वर्षों की तुलना में लगभग दोगुना आवेदन प्राप्त होने का दावा किया गया है.

कोविड के कारण बढ़ा रिकार्ड

जानकारों की मानें तो पीजी कोर्सेस में भी यूजी कोर्सेस की तरह इतनी अधिक संख्या में आवेदन करने की मुख्य वजह कोविड 19 और लॉकडाउन है. इस बार स्टेट व सिटी के बाहर आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स ने भी एलयू को अपनी पहली प्राथमिकता दी है. पहले कई स्टूडेंट्स की पहली पसंद डीयू, एएमयू व अन्य यूनिवर्सिटी होती थी, लेकिन इस बार उन स्टूडेंट्स ने भी एलयू को चुना है. इसी कारण से एलयू में इतनी बड़ी संख्या में रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त हुए हैं. पूर्व के वर्षों के आंकड़ों को देखा जाए तो पिछले साल यूजी और पीजी कोर्सेस मे लगभग 35 हजार आवेदन आए थे. वहीं पिछले साल पीजी कोर्स में करीब नौ से 10 हजार आवेदन आए थे.

CONCEPT PIC

पहले कई स्टूडेंट्स की पहली पसंद डीयू, एएमयू व अन्य यूनिवर्सिटी होती थी.

एमएससी कोर्सेस की अधिक डिमांड

कोर्स	आवेदन	सीट
एमएससी जूलॉजी	572	50
एमए पॉलिटीकल साइंस	566	120
एमएससी बॉटनी, प्लांट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी	758	135
एमएससी केमेस्ट्री, फार्मासूटिकल केमेस्ट्री	656	130
एमएससी फिजिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी	467	97
एमएससी मैथमेटिक	609	150

एलएलएम, एलएलबी थ्री ईयर व एमकॉम कोर्स

एलयू में पीजी कोर्सेस में सबसे अधिक आवेदन स्टूडेंट्स ने एलएलएम, एलएलबी थ्री ईयर व एमकॉम कोर्स में किए हैं. आंकड़ों के मुताबिक एलएलएम में 60 सीटों पर 2077 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है. इस हिसाब से एलएलबी में इस बार एक सीट पर करीब 35 स्टूडेंट्स एडमिशन के लिए दावेदारी करेंगे. वहीं एलएलबी थ्री ईयर में 320 सीटों पर 4273 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है. इस हिसाब से इस कोर्स में एक सीट पर 13 स्टूडेंट्स दावेदारी ठोक रहे हैं. वहीं एमकॉम में 180 रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस सीटों पर 1177 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है. एमकॉम में एक सीट पर 6 से 7 स्टूडेंट्स दावेदारी पेश कर रहे हैं.

PIONEER PAGE 4

एलयू में एलएलबी की एक सीट पर 13 तो एलएलएम में 34 से ऊपर दावेदार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● छह कोर्सों में निराशाजनक आवेदन, विवि ने जारी किया पीजी की सीटों का ब्योरा

इसे कोरोना संक्रमण का असर कहें या फिर लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र बनने का सपना, इस बार विवि में दाखिले के लिए छात्रों के बीच कड़ा मुकाबला होने वाला है। ऐसे में उन छात्रों के लिए विवि के चक्कर मे न पड़ कर कहीं और दाखिले के लिए प्रयास करना मुनासिब होगाए जो घोषित मेरिट में तीसरे और चौथे स्थान पर हों। नही तो ऐसा भी क्षण आ सकता है जब विवि के चक्कर मे अन्य दूसरे विकल्प समाप्त हो गए हों। विवि में एलएलबी की एक सीट पर जहां 13 से अधिक छात्रों की दावेदारी है तो वही एलएलएम की एक सीट पर 34 से अधिक छात्र मैदान में हैं।

मंगलवार को विवि प्रशासन ने सीटों का ब्योरा जारी कर दिया है। आमतौर पर विवि में संचालित हर कोर्स में एडमिशन के लिए छात्रों को अपने से एक कदम मेरिट में आगे स्टूडेंट्स से संघर्ष करना पड़ेगा। विवि की तरफ से कोर्स वाइज सीटों और आवेदन के घोषित विवरण के मुताबिक कुछ कोर्सों को छोड़कर तकरीबन हर कोर्स में कम से कम एक सीट पर 3 उम्मीदवार मैदान में हैं। सबसे ज्यादा संघर्ष वाले कोर्सों पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा मार एलएलबी व एलएलएम में हैं। एलएलबी की 320 सीटों के सापेक्ष 4273 छात्रों ने आवेदन किये हैं। यानी हर एक सीट पर 13 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं। इसी तरह एलएलएम में 60 सीटों के मुकाबले 2077 छात्रों ने आवेदन किये हैं। यानी हर एक सीट पर 34 से अधिक छात्र मैदान में हैं। वही एमकॉम की 180 सीटों पर दाखिले के लिए 1177 छात्रों ने आवेदन किये हैं। इसी तरह एमए पोल साइंस में 120 सीटों पर 566 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है। केवल एमएससी बायोस्टेटिक्स में छात्रों को मनमाफिक दाखिला मिल सकता है। इनमे उपलब्ध 30 सीटों के मुकाबले 27 छात्रों ने ही आवेदन किए हैं।

इन कोर्सों की स्थिति निराशाजनक

विवि स्तर पर घोषित सीटों के विवरण के अनुसार एमए बायोस्टेटिक्स में 30 सीटों के मुकाबले 1 ही आवेदन आये हैं। ऐसे में इस कोर्स का बन्द होना निश्चित है। इसी तरह आचार्य में 25 सीटों के मुकाबले 2 आवेदनए एमए अरब कल्चर में 30 सीटों के मुकाबले 4 आवेदन, फ्रेंच में 40 सीटों के मुकाबले 7 आवेदन, मॉडर्न अरेबिक में 30 सीटों के मुकाबले एक भी आवेदन नहीए एमए बायोस्टेटिक्स में 30 सीटों के मुकाबले 1 आवेदन और फोरेंसिक साइंस में 40 सीटों के मुकाबले सिर्फ6 आवेदन आये हैं।

THE PIONEER PAGE 4

LU invites PM for centenary day celebrations

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University has invited Prime Minister Narendra Modi for centenary day celebrations on November 25. Vice-Chancellor AK Rai said the letter had already been sent to the PM office. The programme will be held at LU. On the issue of Covid protocols, he said they were hoping for the situation to improve by November.

"We would like the PM to release a coffee-table book, work on which is being carried out currently and a documentary of LU is also being made," he said. He added that a coin and a postal stamp on LU would also be released on the occasion. The VC said they were also planning to hold a big alumni meet.

"The alumni meet will be held on the same day in the presence of the prime minister. Departments of LU have started identifying five alumni each who will be invited for the meet. We plan to felicitate these alumni. Those unable to make it will be awarded online," the VC said.

In the seven days preceding the centenary day, programmes have been marked out. He said they would also present a report card of 100 years of Lucknow University. The VC said they were making a table calendar which could be used for a couple of years. "We have 52 departments in all and every week can be dedicated to one department. The department concerned will provide material for the same," he said.

He said they had given proposals for funds to the state and Central governments to strengthen infrastructure.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

कानून की पढ़ाई के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

- परास्नातक पाठ्यक्रम में आये बंपर आवेदन
- एमकॉम कामर्स व एलएलबी त्रिवर्षीय भी इस बार सबसे ज्यादा डिमांड

लखनऊ। शहर में छात्र-छात्राओं कानून की पढ़ाई को लेकर रूचि बढ़ी है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एलएलबी त्रिवर्षीय और एलएलएम में एक-एक सीट के लिए कई दावेदार है। लखनऊ विश्वविद्यालय इस साल परास्नातक पाठ्यक्रमों में रिकॉर्ड आवेदन आये हैं। विवि ने मंगलवार को परास्नातक पाठ्यक्रमों के आंकड़े जारी कर दिये है। आंकड़ों के अनुसार इस बार बम्पर आवेदन आये हैं। इसमें 17703 अभ्यर्थी ने पांच हजार के करीब सीटों पर आवेदन किया है। विश्वविद्यालय के परास्नातक पाठ्यक्रमों में बीते साल की तुलना में अधिक आवेदन प्राप्त हुये है जबकि विवि प्रशासन यह परास्नातक में भी स्नातक की तर्ज पर रिकार्ड तोड़ आवेदन की उम्मीद कर रहा था। उसी के अनुरूप परास्नातक में भी करीब बीते सालों की तुलना में लगभग दोगुना आवेदन प्राप्त होने का दावा किया गया हैं।

जानकारों के अनुसार परास्नातक पाठ्यक्रमों में भी स्नातक पाठ्यक्रमों की तरह विवि में छात्रों का इतनी अधिक संख्या में आवेदन करने का मुख्य कारण कोरोना और लॉकडाउन बताया जा रहा है। इस बार राज्य और शहर के बाहर आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं ने भी लविवि को अपनी पहली प्राथमिकता दी है, या यह भी कह सकते है कि इस कोरोना के कारण कोई भी अभिभावक सुरक्षा की दृष्टि से अपने बच्चों को बाहर नहीं भेजना चाहता है। वैसे विद्यार्थियों की पहली पसंद दिल्ली विवि, बीएचयू व एएमयू सहित टॉप के विश्वविद्यालय होते थे, लेकिन इस बार उन छात्रों ने लखनऊ विश्वविद्यालय को चुना है। इसी कारण से लविवि में इतनी बड़ी संख्या में रिकॉर्ड आवेदन प्राप्त हुए है।

परास्नातक में भी कामर्स का जादू कायम : लविवि के परास्नातक पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक आवेदन छात्रों ने एलएलएम, एलएलबी त्रिवर्षीय और एम.कॉम कोर्स में किये हैं। आंकड़ों के मुताबिक एलएलएम में 60 सीटों पर 2077 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इस बार एक सीट पर करीब 35 छात्र दाखिले के लिए दावेदारी करेंगे। वहीं एलएलबी थ्री ईयर में 320 सीटों पर 4273 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया हैं। इसमें प्रति सीट के अनुसार 13 दावेदार तय होते है। स्नातक की तरह परास्नातक में भी एमकॉम कामर्स का जादू छात्रों पर कायम है। इसमें 180 रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस सीटों पर 1177 ने आवेदन किया है। एमकॉम में एक सीट पर 6 से 7 छात्र दावेदारी पेश कर रहे है। जबकि एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स के प्रति छात्रों की संख्या 180 सीटों पर मात्र 401 ही है।

कोई नहीं पढ़ना चाहता मार्डन अरेबिक : परास्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन की बात की जायें तो एमए मार्डन अरेबिक में रेगुलर 30 सीटें निर्धारित है जबकि इसकी पढ़ाई करने का कोई इच्छुक नहीं है। जबकि आचार्य भी इससे अछूता नहीं है। इसमें रेगुलर 25 सीटें तय है फिर भी इसके लिए मात्र दो आवेदन प्राप्त हुये है।

एमएससी पाठ्यक्रमों में भी छात्रों की उत्सुकता

कोर्स	आवेदन	सीट
एमएससी जूलॉजी	572	50
एमए पॉलिटिकल साइंस	566	120
एमएससी बॉटनी, प्लांट साइंस, माइक्रोबायोलॉजी	758	135
एमएससी केमेस्ट्री, फामार्सूटिकल केमेस्ट्री	656	130
एमएससी फिजिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी	467	97
एमएससी मैथमेटिक	609	150

TOI PAGE 2

10-year experience must for DLitt at LU

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: If you are planning to pursue Doctor of Letters (DLitt) at Lucknow University, you must have minimum experience of 10 years of teaching or research. Also, publication of 15 research papers in a reputed journal is a rule for admission.

The university is reviving its DLitt course after a decade and has come up with a new ordinance. The ordinance has been passed by the academic council and will be placed in the executive council meeting for assent.

Candidates have to submit the name of the topic and its details in 1,500-3,000 words along with the application forms.

The ordinance says that if the thesis of a student is rejected once, they cannot apply for the course again for two years. Before the submission of thesis, it will be mandatory to hold a seminar.

LU spokesperson Durgesh Srivastava said, "Applications for admission to DLitt will be invited once the university winds up the PhD entrance test scheduled in September."